

**B.A. (S-VI)/G/2021/Generic Elective (CBCS)**

**B. A. 6th Semester (General) Examination, 2021, CBCS**

**Subject : Sanskrit**

**Paper/Course : Generic Elective II**

Time : 3 Hours

Full Marks : 60

The figures in the margin indicate full marks. Candidates are required to give the answers in their own words as far as practicable.

Group-A

(Ethical Issues in Sanskrit Literature)

1. अधोलिखितेषु प्रश्नेषु यथेच्छं प्रश्नचूकं समाधेयम्। तन्मध्ये प्रश्नद्वयस्य उन्नरं संस्कृतभाषया प्रदेयम्।  
(निम्नलिखित प्रश्नगुलिर मध्ये ये कोन छयटि प्रश्नेर उन्नर दिते हवे। तार मध्ये दुटि प्रश्नेर उन्नर संस्कृतभाषाय देण्या आवश्यक।) 5×6=30
- a) कः पण्डितः, कः महानात्मा कश्च इह जगति पुण्यवान् तं शास्त्रवाक्यानुसारेण लिख्यताम्।  
(के पण्डित, के महानात्मा एवं के इह जगते पुण्यवान् व्यक्ति ता शास्त्रवाक्यानुसारे लेख।)
- b) 'तन्मया भद्रं न कृतं यदत्र मारात्तुके विश्वासः कृतः।'—पथिकस्य उक्तेरस्य हेतुरूपणि नीतिवाक्यानि लिख्यन्ताम्।  
(‘तन्मया भद्रं न कृतं यदत्र मारात्तुके विश्वासः कृतः।’—पथिकेर इह उक्तिर कारणरूप नीतिवाक्यगुलि लेख।)
- c) पिङ्गलकः अचिन्तयं यं शत्रुं समादाय दमनकः तं व्यापादयिष्यति। पिङ्गलकस्य एवंविधायां चिन्तायां केषां नीतिवाक्यानां प्रभावः परिलक्ष्यते तं आलोच्यताम्।  
(पिङ्गलक चिन्ता करल ये शत्रुके सङ्गे निये एसे दमनक ताके मेरे फेलते पारे। पिङ्गलकेर इह प्रकार चिन्तार पिछने कोन नीतिवाक्यगुलिर प्रभाव रयेछे ता आलोचना कर।)
- d) राज्ञः संकटं कथं मन्त्रिजनस्य सदा काम्यं भवति तं दमनकस्य वक्तव्यानुसारेण लिख्यताम्।  
(राजार संकट सर्वदा मन्त्रीर काम्य केन ता दमनकेर वक्तव्यानुसारे लेख।)
- e) मातृभाषया अनुवादः  
(मातृभाषाय अनुवाद करः)
- तदस्माकं मित्रं हिरण्यको नाम मूषिकराजो गण्डीतीरे चित्रवने निवसति, सोऽस्माकं पाशांशेच्छंस्यति।  
इत्यालोच्य सर्वे हिरण्यकविवरसमीपं गताः। हिरण्यकश्च सर्वदापायशक्त्या शतद्वारविवरं कृत्वा निवसति।

f) मातृभाषयानुवाद :

(मातृभाषाय अनुवाद कर ः)

न तच्छस्त्रैर्न नागेन्द्रैर्न ह्यैर्न पदातिभिः।

कार्यं संसिद्धिमभ्येति यथा बुद्ध्या प्रसाधितम्॥

g) सप्रसङ्गं संस्कृतभाषया व्याख्यायताम् :

(सप्रसङ्गं संस्कृत भाषाय व्याख्या कर।)

शोकस्थानसहस्राणि भयस्थानशतानि च।

दिवसे दिवसे मूढमाविशन्ति न पण्डितम्॥

h) पर्यस्तो लभ्यते भूमेः समुद्रस्य गिरैरपि।

न कथंश्चैव महीपस्य चित्तान्तः केनचित् क्वचित्॥—व्याख्यायताम् (व्याख्या कर)।

2. अधोलिखितेषु प्रश्नेषु यथेच्छं प्रश्नत्रयं समाधेयम्।

10×3=30

(निम्नलिखित प्रश्नগুলির মধ্যে যে কোন তিনটি প্রশ্নের উত্তর দাও।)

a) 'व्याघ्रस्य सुवर्णकङ्कणदानम्' वृत्तान्तमिदं संक्षेपेण निर्वर्ण्य तत्रोल्लिखितानि नीतिव्याकानि लिख्यन्ताम्।

(बाघेर सुवर्णकङ्कण दानेर वृत्तान्तটি সংক্ষেপে বর্ণনা করে সেখানে উল্লিখিত नीतिवाक्यांशलि लेख।)

b) सन्निधाने बुद्धिमति तथा उन्तमे सुहादि साधनहीनेन तथा धनहीनेनापि सर्वकार्यं सम्पद्यते-विषयोऽयं चित्रग्रीवस्य वृत्तान्ते कथं प्रतिपादितः तं आलोच्यताम्।

(बुद्धिमान् ओ उन्तम् बद्धु थाकले उपायहीन ओ धनहीन हओया सत्वेओ येकान कार्यसिद्ध करी याय-एई विषयटि चित्रग्रीवैर वृत्तान्ते किभावे प्रतिपादित हयेछे ता आलोचना कर।)

c) गोमायूदुन्दुभिकथायां वर्णितं पिङ्गलकेन सञ्जीवकेन च सह दमनकस्य कथोपकथनं स्वभाषया लिख्यताम्।

(गोमायूदुन्दुभिकथाय वर्णित पिङ्गलक ओ सञ्जीवकेर सङ्गे दमनकेर कथोपकथन निजेर भाषाय लेख।)

d) पधतश्चे विष्णुशर्मणा प्रदत्तां नीतिशिक्षां पाठ्यांशमवलम्ब्य संक्षेपेण आलोच्यताम्।

(पधतश्चे विष्णुशर्मा ये नैतिकशिक्षा प्रदान करेछेन ता तोमार पाठ्यांश अवलम्बने संक्षेपे आलोचना कर।)

e) पधतश्चास्तुर्गतं 'गोमायूदुन्दुभिकथा' इति पाठ्यांशमाश्रित्य विष्णुशर्मणः लेखनशैली आलोच्यताम्।

(पधतश्चेर अस्तुर्गत तोमार पाठ्यांश 'गोमायूदुन्दुभिकथा' अवलम्बने विष्णुशर्मार रचनाशैली आलोचना कर।)

Paper/Course : Generic Elective

Time : 3 Hours

Full Marks : 60

The questions are equal value/the figures in the margin indicate full marks. Candidates are required to give the answers in their own words as far as practicable

Group-B

(Sanskrit Metre and composition)

1. अधोलिखितेषु प्रश्नेषु प्रश्नचिह्नं समाधेयम्। 5×6=30  
(निम्नलिखित प्रश्नগুলির মধ্যে যে কোন ছয়টি প্রশ্নের উত্তর দাও।)
- a) तीव्राघातप्रतिहततरुः ऋक्कलङ्गैकदन्तः—छन्दोविश्लेषणं क्रियताम्। (छन्दविश्लेषणं कर।)
- b) चित्रे निवेश्य परिकल्पितसङ्घोषा—छन्दोविश्लेषणं क्रियताम्। (छन्दविश्लेषणं कर।)
- c) असंशयं ऋत्रपरिग्रहम्—छन्दोविश्लेषणं क्रियताम्। (छन्दविश्लेषणं कर।)
- d) संस्कृतभाषया अनुवादः 5  
(संस्कृतभाषाय अनुवाद करः)
- संस्कृत भाषा जगतेर श्रेष्ठ भाषा। संस्कृत सब आधुनिक भाषार मूल। संस्कृतेर ज्ञान छाड़ा आमरा मातृभाषाके उपयुक्तभावे शिखते पारि ना।
- e) बङ्गभाषया आङ्गलभाषया वा अनुवादः  
(বাংলা ভাষায় বা ইংরাজী ভাষায় অনুবাদ कर।)
- अणुपरमाणुमारभ्य ग्रहनक्षत्राणि यावत् सर्वद्वेष नियमः परिलक्ष्यते। मानवानां जीवनेहपि अस्ति तस्य उपयोगः यत्र शुद्धला अतीव प्रयोजनीया। छात्रावस्थायां जीवनयात्रायाः प्रारम्भो भवति। तत्र नियमानुवर्तनं परमावश्यकम्। पुरा गुरुगृहे छात्रा ब्रह्मचर्यव्रतेन संयमादिनियमान् प्रतिपालितवन्तः, ते हि नो दिवसा गताः।
- f) 'सममर्धसमं वृत्तं विषमश्लेषेति तत् त्रिधा'—व्याख्यायताम्।  
(सममर्धसमं वृत्तं विषमश्लेषेति तत् त्रिधा'—व्याख्या कर।)
- g) 'छन्दोमञ्जरी' केन प्रणीता? छन्दोमञ्जरीमनुसृत्य गुरुस्वरूपमालोच्यताम्।  
(‘छन्दोमञ्जरी’ के रचना करेछेन? ‘छन्दोमञ्जरी’ अनुसरण करे गुरु अक्षरेर स्वरूप आलोचना कर।)
- h) छन्दोमञ्जरीमनुसृत्य गणस्वरूपं विचार्यताम्।  
(‘छन्दोमञ्जरी’ अनुसरणे गणेर स्वरूप विचार कर।)

2. অধোলিখিতেষু প্রশ্নত্রয়ং সমাধেয়ম্।

10×3=30

(নিম্নলিখিত প্রশ্নগুলির মধ্যে তিনটি প্রশ্নের উত্তর দাও।)

a) সোদাহরণং লক্ষণং দীয়তাম্—উপেন্দ্রবজ্রা, মালিনী।

(উদাহরণ সহ লক্ষণ প্রদান কর—উপেন্দ্রবজ্রা, মালিনী।)

b) সোদাহরণং লক্ষণং দীয়তাম্—বসন্ততিলক, মন্দাক্রাঙ্গা।

(উদাহরণ সহ লক্ষণ প্রদান কর—বসন্ততিলক, মন্দাক্রাঙ্গা।)

c) বঙ্গভাষয়া আঙ্গলভাষয়া বা অনুবাদ।

(বাংলা অথবা ইংরাজী ভাষায় অনুবাদ কর।)

মুখিকঃ সবিনয়ং সিংহমব্রবীৎ প্রভো রক্ষ মাম্। ত্বং পশূনামধিপতিঃ অহমতীব ক্ষুদ্রজন্তুঃ। মাদৃশস্য ক্ষুদ্রজীবস্য  
রুধিরেণ ত্বমান্ননঃ করং ন দুষয়িতুমর্হসি ইতি। তস্যৈতৎ বচনমাকর্ণ্য সিংহস্তমমুঞ্চৎ। অথ গচ্ছতা কালেন সিংহঃ  
কস্যচিৎ ব্যাধস্য জালে নিপতিতঃ সন্ উচৈঃ গজতি স্ম। তদগর্জনং শ্রুত্বা মুখিকঃ তত্রাগত্য স্বকীয়দশনৈঃ তস্য  
পাশান্ অকৃন্তৎ।

d) সংস্কৃতভাষয়া অনুবাদ : (সংস্কৃতভাষায় অনুবাদ কর।)

বিদ্যালয় অতি পবিত্র স্থান। এইখানে আমরা জ্ঞান অর্জন করি। বলা হয়ে থাকে যে এখানে জ্ঞানের মতো পবিত্র  
কিছু নেই। তাই বিদ্যালয় জ্ঞানের আলায়।

e) লক্ষণোদাহরণপুরঃসরং উপজাতিছন্দসো বৈশিষ্ট্যং প্রতিপাদনীয়ম্।

(লক্ষণ ও উদাহরণ সহ উপজাতি ছন্দের বৈশিষ্ট্য প্রতিপাদন কর।)